संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक -273 शनिवार ,03 अगस्त 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल से पूछ रही है संपादक पुत्र के पिता की चिता...

» आपने छूरी-लोटा लेकर पुत्र को घटना-स्थल पर आने के लिए किया था विवश... आपके कलेजे को ठंडक मिली या नहीं मंत्री जी...

» संपादक एवं पत्रकार पर बुलडोजर चलवाकर हत्या कब कराएंगे मंत्री जी...

» खबर प्रकाशन से क्षुब्ध स्वास्थ्य मंत्री ने द्वेषपूर्वक कराई कार्यवाही...

» अब नहीं रूकेगा घटती-घटना अखबार का कलम बंद अभियान...

-विशेष संवाददाता-

रायपुर/अम्बिकापुर,02 अगस्त 2024 (घटती-घटना)। एक पुत्र के द्वारा अपने बीमार पिता के निधन हो जाने के बाद उनके मृत शरीर को चिता में मुखाग्नि दी जाती है,पूरे 13 दिवस घर में शोक का माहौल बना रहता है। इसी बीच ठीक 5 वें दिन अखबार में प्रकाशित हो रही खबरों से क्षुब्ध होकर व्यक्तिगत दुश्मनी निकालते हुए प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल ने बाहूबली का परिचय देकर संपादक के व्यावसायिक परिसर पर बुलडोजर चलवाने की कार्यवाही को अंजाम दिलाया,कार्यवाही के दौरान ना चाहते हुए भी अखबार के संपादक अविनाश सिंह को हिंदू मान्यताओं के खिलाफ विवश होकर जाना पड़ा,वे कार्यवाही स्थल पर छुरी-लोटा लेकर घंटो तक बैठे रहे। प्रशासनिक अधिकारी अपने अमले के साथ मिलकर स्वास्थ्य मंत्री के निर्देशन में कार्यवाही को अंजाम देते रहे लेकिन संपादक ने कार्यवाही का तनिक भी विरोध नहीं किया।

शोकाकुल परिवार में 13 दिन तक क्या स्थिति रहती है,यह सभ्य समाज अच्छे से जानता है। लेकिन इसी बीच स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल ने मौके का फायदा उठाते हुए संपादक और अखबार पर अत्याचार करते हुए बुलडोजर चलवाने का काम किया एक ओर जहां इस कार्यवाही की निंदा हो रही है तो वहीं दूसरी ओर संपादक पुत्र के पिता की चिता स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल से ही सवाल कर रही है...कि चिता की आग तो ठीक से बुझी नहीं थी...ऐसे में कार्यवाही कराकर आपके कलेजे को ठंडक मिली या नहीं स्वास्थ्य मंत्री जी...। हो सकता है इस कार्यवाही के बाद स्वास्थ्य मंत्री खुशी का इजहार करते हुए इस भ्रम में होंगे कि अखबार की आवाज को दबा लिया गया है...और अब इसमें वाहवाही का प्रकाशन किया जाएगा...लेकिन यह आपकी गलतफहमी है मंत्री जी...आपके गलत कारनामें और विभागीय कमियों को प्रकाशित करने के फलस्वरूप आपने घटिया मानसिकता का परिचय देते हुए पहले तो अखबार का विज्ञापन बंद कराया इसके बाद अखबार ने कलम बंद अभियान शुरू कर दिया।

विज्ञापन बंद कराकर भी जब मन नहीं भरा तो रचा गया षडयंत्र...

विज्ञापन बंद कराकर भी जब आपका मन नहीं भरा तो आपके द्वारा इसके लिए काफी षडयंत्र रचा गया। अपने विशेष सहायक आशुतोष पांडेय के साथ मिलकर आपने एक लंबी चाल चली। सरगुजा संभाग से ही नाता रखने वाले प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय तक आपने मनगढ़ंत बातें रखी,वास्तविकता से दूर रखकर उन्हें विश्वास में लेकर सरगुजा जिला प्रशासन को अखबार के संपादक को नेस्तनाबूद करने का आदेश दिलाया। आनन-फानन में पूर्व का एक आदेश परिवर्तित किया गया। नोटिस देकर पहले विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी संजय मरकाम और विश्व हिंदु परिषद के नेता अमित श्रीवास्तव को रात भर संपादक के घर बैठाकर दबाव डलवाया और कार्यवाही के लिए सुबह 5 बजे लाव-लश्कर भी भेज कर संपादक का व्यवसायिक परिसर पूरी तरह से नष्ट कर दिया गया। तब आपने यह जरूर सोचा होगा कि अब तो कलम बंद अभियान बंद कर दिया जाएगा.. लेकिन नहीं,मंत्री जी यह आपकी गलतफहमी है...।

अखबार के संपादक ही नहीं...बल्कि पूरे पत्रकारिता जगत को चुनौती...

आपने अखबार के संपादक ही नहीं...बल्कि पूरे पत्रकारिता जगत को चुनौती दी है...आपका मानना है कि इस प्रकार की कार्यवाही से पत्रकारों को डराया-धमकाया जा सकता है...पत्रकार इस कार्यवाही से डर जाएंगे...और कमियों को देखते हुए भी उनका प्रकाशन भय के कारण नहीं किया जाएगा... मंत्री जी...आज के दौर में यह संभव नहीं है। लोकतंत्र का चौथा स्तंभ आज भले ही संघर्ष के दौर से गुजर रहा है वह भी इसलिए कि कुर्सी पर आप जैसे ओछी मानसिकता के राजनीतिज्ञों का कब्जा है। आपके मन में खबरों के प्रकाशन से इतना द्वेष था कि आपने इसके लिए पहले अपने विवादित भतीजे को इस्तेमाल किया उसके माध्यम से शिकायत कराकर यह कदम आपके द्वारा उठाया गया है,जो कि निंदनीय है। आपने अपनी कुर्सी की शक्ति का भरपूर इस्तेमाल लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के साथ तो कर लिया...लेकिन आपको भी एक ललकार है...कि आप प्रदेश की भ्रष्ट और वेंटिलेटर पर जा चुकी स्वास्थ्य सुविधा को...सरगुजा से बस्तर तक सुधार कर दिखाएं...। आज आपके नेतृत्व में प्रदेश की स्वास्थ्य सुविधा कराह रही है...उसे ऑक्सीजन की जरूरत है मंत्री जी...।

आपके विधानसभा क्षेत्र में डायरिया से एक महिला की मौत

आप बीजापुर मे जाकर डायरिया जैसी बीमारी ठीक करने का दावा करते देखे जाते है लेकिन इससे हास्यप्रद और क्या हो सकता है कि आपके विधानसभा क्षेत्र में ही इन दिनों डायरिया का प्रकोप देखा जा रहा है। आपके विधानसभा क्षेत्र में ही डायरिया से एक महिला की मौत हुई तो कई मरीज स्थानीय अस्पताल में हैं तो कई दूसरें बड़े अस्पतालों में रेफर किए गए हैं। प्रदेश की स्वास्थ्य सुविधा बेपटरी हो चुकी है।

क्या मजबूरी है मंत्री जी की विवादित अवसर व राष्ट्रीय स्वयंसेवक के घोर विरोधी को लेकर चल रहे?

आखिर आपकी क्या मजबूरी है मंत्री जी ...कि आप अपने साथ विवादित अफसर और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के घोर विरोधी युवा को लेकर चल रहे हैं...। आपके विभाग में सप्लाई से लेकर डॉक्टर एवं प्रमुख अधिकारियों की पदस्थापना में बोली लगाई जा रही है... जिलों के हिसाब से रेट तय किये जा रहे हैं...क्या इसमें भी आपकी ही संलिप्तता है मंत्री जी...या फिर आप इससे अनभिज्ञ हैं। यदि आप अनभिज्ञ हैं तो फिर कार्यवाही कब करेंगे मंत्री जी...।

अपने राजनीतिक गुरु के प्रश्नों का जवाब पर अमल कब करेंगे मंत्री जी...?

मंत्री जी,आपके निकटस्थ विधायक जिन्हें कि आप राजनैतिक गुरू बताते हुए विधानसभा में उनके प्रश्नों का जवाब दे रहे थे उनके द्वारा ही कोरिया जिले की लाचार स्वास्थ्य सुविधा को लेकर सवाल खड़ा किया गया था,उनके साथ ही अन्य वरिष्ठ विधायकों ने अपने अपने क्षेत्र की स्वास्थ्य सुविधा को लेकर विधानसभा में मुद्दा उठाया है, आप इन कमियों को कब ठीक करेंगे मंत्री जी...।

अपने ओएसडी पर कार्यवाही कब करेंगे मंत्री जी...?

मंत्री जी प्रदेश के दिव्यांग संघ ने एक सूची जारी की है जिसमें फर्जी दिव्यांग प्रमाण-पत्र के आधार पर नौकरी कर रहे शासकीय सेवकों का नाम अंकित है इसी सूची में आपके विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी संजय मरकाम का नाम भी स्पष्ट रूप से शामिल है,आप इनके विरूद्ध कार्यवाही करते हुए प्रमाण-पत्र की ईमानदारीपूर्वक जांच कब कराएंगे मंत्री जी...।

तथाकथित भतीजे पर मेहरबानी क्यों मंत्री जी?

मंत्री जी,आपसे यह भी सवाल है... कि आपका एक तथाकथित भतीजा प्रिंस जायसवाल पिछले कई वर्षों से स्वास्थ्य विभाग को दीमक की तरह चट कर रहा है...पहले उसकी पदस्थापना कोरिया जिले में थी जहां उसके द्वारा विभाग को बर्बाद करके रखा गया था...। खरीदी से लेकर अन्य चीजों में उसकी कुछ ज्यादा ही संलिप्तता देखी गई थी। कोरोना काल में उसके द्वारा खूब अफरा-तफरी की गई थी। उसके विरूद्ध कई प्रकार की शिकायते थीं। जिस थाली में खाया उसी में छेद करते हुए भतीजे के द्वारा एक निजी चिकित्सक के विरूद्ध भी तमाम शिकायतें की गईं। आपने उसके खिलाफ कार्यवाही की बजाए उसे पुरस्कृत करते हुए सूरजपुर जैसे बड़े जिले में स्थानांतरित करा दिया...सिर्फ इसलिए कि वह आपका भतीजा है...। क्या दूसरे कर्मचारी के साथ भी आप ऐसा बर्ताव करते। इसके अलावा अभी हाल में आपके भतीजे की डिग्री फर्जी होने की पुष्टि पुलिस जांच में हुई है। जिस विवि की डिग्री उसके द्वारा लगाई गई है उसी विश्वविद्यालय ने सूरजपुर पुलिस को बताया है कि यह डिग्री उनके यहां से जारी नहीं की गई है। क्या मामले पर भतीजे पर आप ईमानदारी पूर्वक कार्यवाही करेंगे क्या...?

विभाग के बिल भुगतान पर क्या कहेंगे मंत्री जी...?

मंत्री जी के आपके विभाग से जुड़ी कमियां यहीं नहीं रूकती आगे यह बतलाना जरूरी है कि अभी पिछले माह ही आपके बीजापुर दौरे के ठीक पहले एक ठेकेदार ने 32 लाख रूपये के काम का बिल भुगतान करने हेतु आपके और एनएचएम एमडी के नाम पर 12 लाख रूपये के कमीशन की मांग की थी,इसमें सच्चाई क्या है यह तो कहा नहीं जा सकता लेकिन उक्त ठेकेदार के द्वारा लिखित में शिकायत करना बहुत बड़ा उदाहरण है। इसके बाद भी संबंधित अधिकारी पर कार्यवाही ना करना चिंताजनक है।

मच्छरदानी सप्लाई पर क्या कहेंगे मंत्री जी?

आपसे सवाल है मंत्री जी...इन दिनों प्रदेश के कई क्षेत्रों में मलेरिया का प्रकोप देखा जा रहा है,मलेरिया से मौत के मामले भी सामने आए हैं। उसके पीछे कारण यह भी रहा कि प्रदेश में मच्छरदानी का वितरण नहीं किया जा सका है। जानकारों का कहना है कि पहले जिस सप्लायर को काम दिया गया था उसे अचानक रोक दिया गया फिर दूसरे सप्लायर से मामला फिट होने के बाद सप्लाई आर्डर बदला गया। आखिर ऐसा क्यों और किसके इशारे पर किया गया था मंत्री जी...क्या बतलाने की हिम्मत कर पाएंगे...?

मंत्री जी...क्या आप अपने प्रदेश की जनता के लिए ईमानदारी से काम कर रहे हैं?

मंत्री जी...प्रदेश में विधानसभा चुनाव में बहुमत मिलने के बाद केन्द्रीय नेतृत्व ने बहुत ज्यादा भरोसा करते हुए आपको मंत्रिमंडल में शामिल किया था,इस उद्देश्य से कि आप कोरबा लोकसभा में पार्टी प्रत्याशी को अवश्य जीत दिलाएंगे। जीत तो दूर की बात आखिर क्या कारण रहा कि आपके गृह क्षेत्र के 56 बूथों से प्रत्याशी को लगभग 18 हजार से हार का सामना करना पड़ा। लोकसभा चुनाव में आप इतने निष्क्रिय थे कि आपने अपनी विधानसभा छोड़ पड़ोसी विधानसभा बैकुंठपुर और भरतपुर सोनहत में भी चुनाव प्रचार-प्रसार हेतु जाना जरूरी नहीं समझा था। आपने लोकसभा चुनाव में अपने विधानसभा क्षेत्र तक ही नाममात्र का काम क्यों किया जबकि आपके विधानसभा क्षेत्र में ही धर्माचार्य धीरेन्द्र शास्त्री की कथा भी कराई गई। आखिर क्या कारण रहा कि आप अपने क्षेत्र से पिछड़ गए। क्या आप इसका संतोषप्रद जवाब दे पाएंगे...?

मंत्री जी...आप मेरे लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को निशाना बनाया अपनी ताकत दिखाने को

मंत्री जी...आपने लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को निशाना बनाया है...एक संपादक पुत्र पर द्वेषपूर्वक कार्यवाही ऐसे समय में कराई है जब वह पिता को मुखाग्नि देकर घर पर शोक के माहौल में बैठा हुआ है। आपने अपनी ताकत दिखाने के लिए लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को निशाना बनाएं... यदि आप में इतनी ताकत थी तो अपने विभाग की व्यवस्था सुधारने में लगाते तो शायद जानता आपको अपने पलकों पर बैठाया रखती...।

अपने हिंदू रीति-रिवाज और मानताओ को तोड़ने पर विवश कर दिया मंत्री जी क्यों...?

आपने उसे हिंदू रीति-रिवाज और मान्यताओं को तोड़ने पर विवश कर दिया आखिर क्यों...क्या यह कार्यवाही उसी दिन करना इतना आवश्यक था...क्या कार्यवाही के लिए आप अपने बाहुबल का प्रयोग 10 दिन बाद करते तो कोई भूचाल आ सकता था क्या...। सवाल आपसे स्पष्ट रूप से है ...कि यदि आपमें इतनी ही ईमानदारी है... तो आखिर आप अपने साथ दागदार अफसर को...संघ और भाजपा विरोधी युवा को साथ लेकर आखिर क्यों चल रहे हैं...। क्या आपमें इतनी ताकत है कि कलम की आवाज को कुचलने की बजाए विभागीय लूट खसोट, भ्रष्टाचार,अराजकता,कमी को दूर कर पाएंगे...? आपके द्वेषपूर्वक कार्यवाही के बाद भी लोकतंत्र के चौथे स्तंभ का यह सजग प्रहरी कदापि शांत नहीं बैठेगा...समय-समय पर आपकी कमियों को क्रमबद्ध जनता के सामने पेश किया जाएगा...और तब तक जब कि आप व्यापारिक प्रतिष्ठान पर बुलडोजर चलवाने की कार्यवाही की तरह ही संपादक और उसके पत्रकार पर बुलडोजर चलवाकर हत्या नहीं करा देते...।

सवाल का जवाब तो मांगा ही जाएगा मंत्री जी...

सवाल अनेक हैं मंत्री जी...जवाब तो मांगा ही जाएगा...। अभी आपने अखबार के संपादक के व्यावसायिक परिसर पर बुलडोजर चलवाया है..संपादक और पत्रकार पर बुलडोजर चलवाने तक आपसे सवाल किया जाएगा...

खुला पत्र

खुला पत्र

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

क्या छापें स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जी...

तुगलकी फरमान के विरूद्ध कलमबंद अभियान...

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के विभाग जनसंपर्क के द्वारा स्वास्थ्य मंत्री श्री श्यामबिहारी जायसवाल के विभाग से संबंधित समाचारों के प्रकाशन पर जनसंपर्क संचनालय के आयुक्त सह संचालक आईपीएस श्री मयंक श्रीवास्तव के मौखिक आदेश पर घटती-घटना के शासकीय विज्ञापन पर रोक लगाकर दबाव बनाने से लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के मूलभूत हक पर कुठाराघात के विरूद्ध कलमबंद अभियान...?

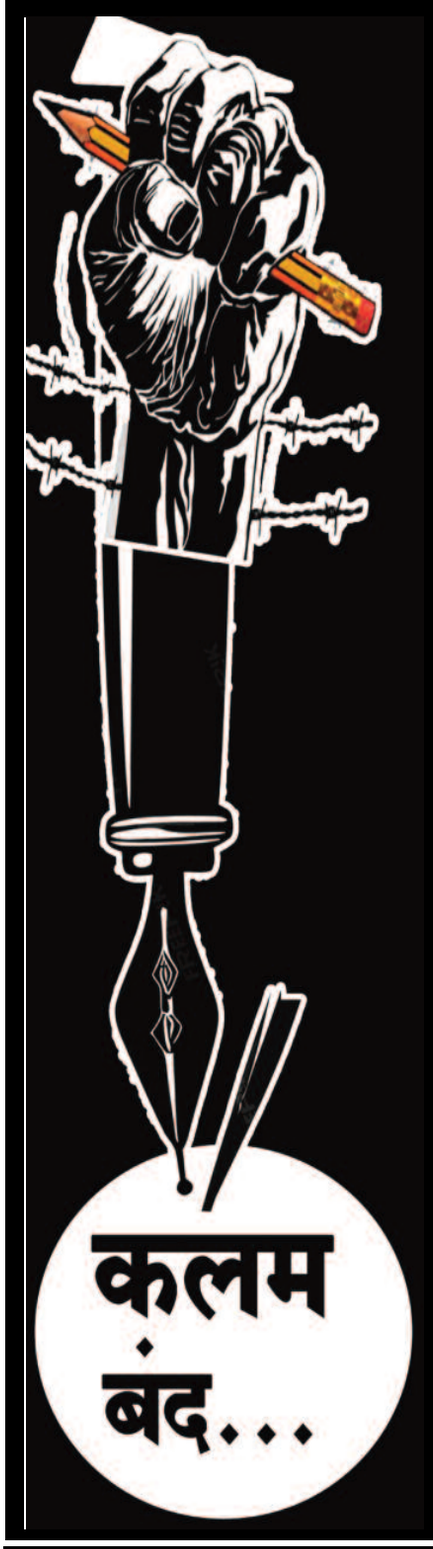

कलम बंद...का चौंतीसवां दिन

कलम बंद...का चौंतीसवां दिन

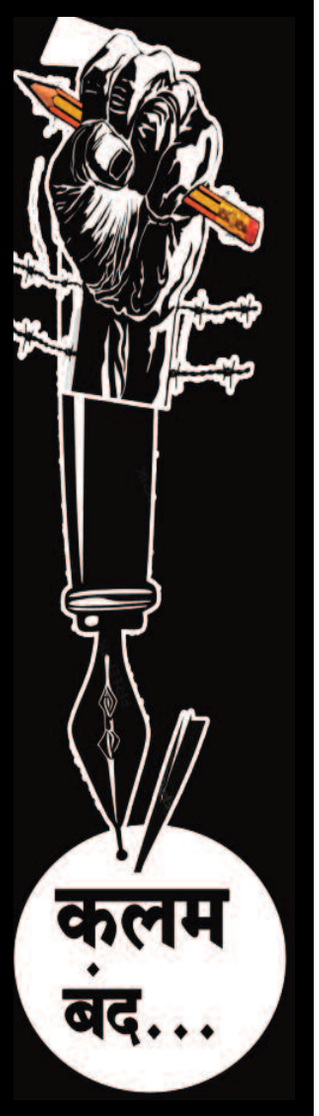

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

खुला पत्र

क्या प्रकशित करें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव जी ?

अम्बिकापुर, 02 अगस्त 2024(घटती-घटना)। आपको जो कमियां दिखाई जा रही हैं...वह आपको पसंद नहीं आ रही हैं...आपके विभाग में कितनी कमियां हैं...यह शायद आपको दिख नहीं रहा और अखबार आपको दिखाना चाह रहा है...वह देखना नहीं चाहते ऐसे में क्या प्रकाशित करें..यह आपकी तय करें ? अखबार जो आपको कमियां दिख रहा है उस कमियों को आपको दूर करना था पर उसे कर्मियों को दूर करने के बजाय आप अखबार से पत्रकार से संपादक से आपको दिक्कत हो रही फिर आप यह समझिए कि आपसे जनता को कितनी दिक्कतें हो रही होंगी ?

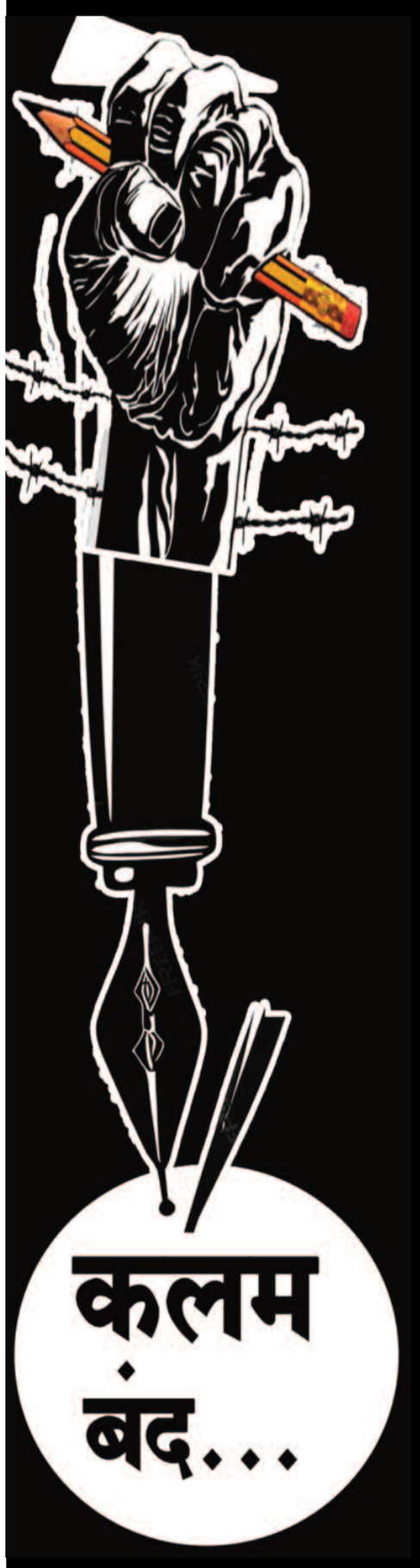

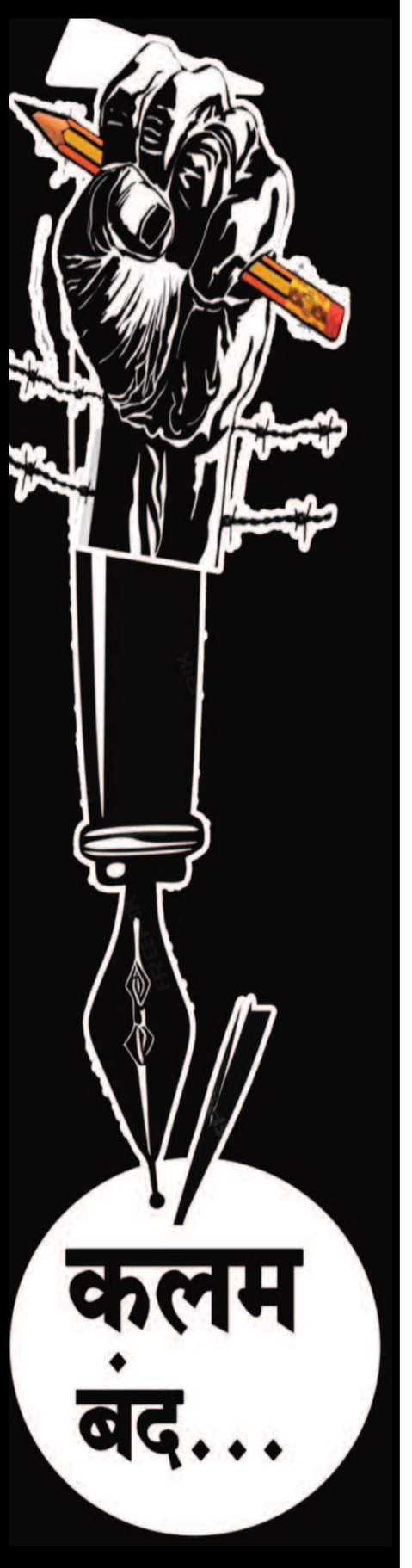

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

खुला पत्र

देश के माननीय प्रधानमंत्री से भी सवाल...क्या भ्रष्टाचार के विरुद्ध छत्तीसगढ़ की प्रदेश सरकार के खिलाफ समाचार लिखना है अपराध ?

अम्बिकापुर,02 अगस्त 2024 (घटती-घटना)। माननीय मुख्यमंत्री से भी सवाल है...छत्तीसगढ़ में आपकी सरकार है...केंद्र में भी आपकी पार्टी की सरकार है...पर छत्तीसगढ़ में लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को कमियां दिखाने से रोकने का भी प्रयास हो रहा है...यह प्रयास कहीं ना कहीं स्वस्थ लोकतंत्र को कमजोर करने का प्रयास है...जहां पर भाजपा सरकार से लोगों को बेहतर करने की उम्मीद होती है तो वहीं पर छत्तीसगढ़ में नवनिर्वाचित मंत्री,विधायक बे-लगाम हो चुके हैं...उन्हें जो जिम्मेदारी मिली है उसे जिम्मेदारी को निभाने में असमर्थ दिख रहे हैं...उनकी कमियों को बताना उन्हें रास नहीं आ रहा इसलिए वह पत्रकार,संपादक का कलम बंद करने का प्रयास कर रहे हैं अब इस पर आप ही संज्ञान ले...और बताएं की संपादक व पत्रकार कौन सी खबर प्रकाशित करें ?

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

खुला पत्र

भारत में सच्चे पत्रकार को राजनीतिक पार्टियों से खतरा क्यों रहता है ?

अम्बिकापुर,02 अगस्त 2024(घटती-घटना) | भारत अपने पत्रकारों को निडर होकर काम करने का स्वतंत्र तरीका प्रदान करने में बहुत पीछे है...इन दिनों...कुछ को छोड़कर...हर दूसरा पत्रकार वही खबर दे रहा है जो सरकार की प्रशंसा करती है...नए चैनल लोगों को सरकार द्वारा की गई गलती से विचलित करने के लिए विभिन्न विषयों पर अनावश्यक बहस दिखाएंगे...इसके कारण,अधिक महत्वपूर्ण मुद्दे हैं जो किसी का ध्यान नहीं जाता हैं...दूसरा कारण यह है कि पत्रकार अपने सिद्धांतों और मूल्यों को खो रहे हैं क्योंकि आज स्थिति ऐसी है कि स्थापना के खिलाफ विषयों पर बोलने या लिखने वाले पत्रकारों को धमकी देना,गाली देना और मारना कई अन्य देशों की तरह भारत में भी एक वास्तविकता बन गई है...देश और दुनिया को डरा दिया है...वहीं,पत्रकारों पर लगातार हो रहे हमलों की घटनाओं ने एक बार फिर उन्हें सुर्खियों में ला दिया है...जो पत्रकार देश और उसके आम नागरिकों के लिए लिखे वे मरे या प्रताड़ित हुए सरकारी तंत्रों के द्वारा...!

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

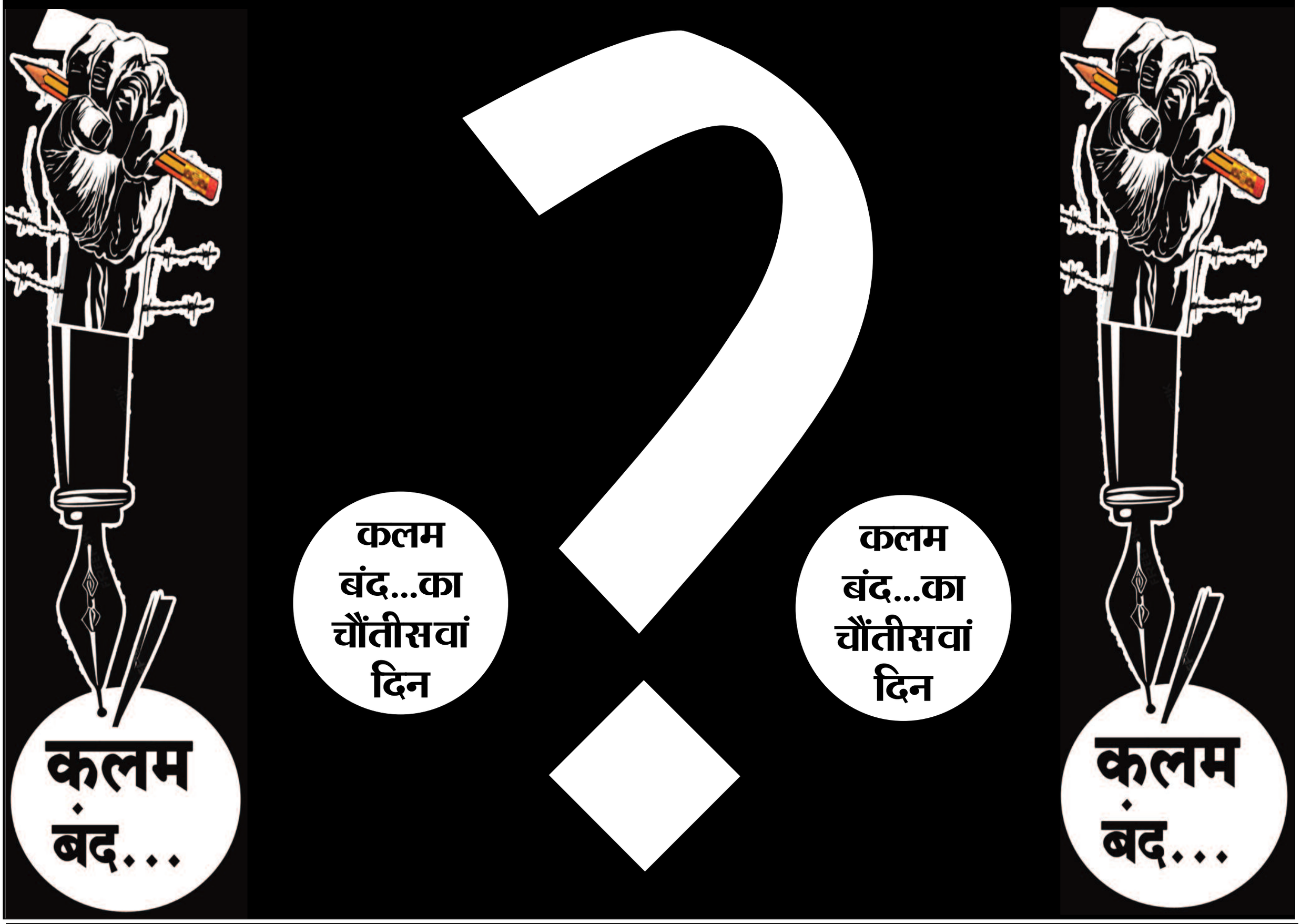

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

CMYK

खुला पत्र

क्या भ्रष्टाचार का मामला वहीं होगा दर्ज जहां होगी भाजपा से इतर दल की सरकार?

» भ्रष्टाचार की खबरों से दिक्कत...
» कमी दिखाओ तो दिक्कत...
» जनता की परेशानियों को दिखाओ तो दिक्कत...

अम्बिकापुर, 02 अगस्त 2024(घटती-घटना)। आखिर लोकतंत्र का चौथा स्तंभ करें तो क्या करें? सरकारी तंत्र भ्रष्टाचार की ओर बढ़ रहे भ्रष्टाचार को उजागर करने पत्रकार दौड़ रहा पर पत्रकार की दौड़ के पीछे निर्वाचित जनप्रतिनिधि उसकी दौड़ की गति को कम करने का प्रयास कर रहे हैं,भ्रष्टाचार बढ़ता रहे पर पत्रकार ना दिखाएं क्या यही चाहता है जनप्रतिनिधि या फिर सरकारी तंत्र।

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी?

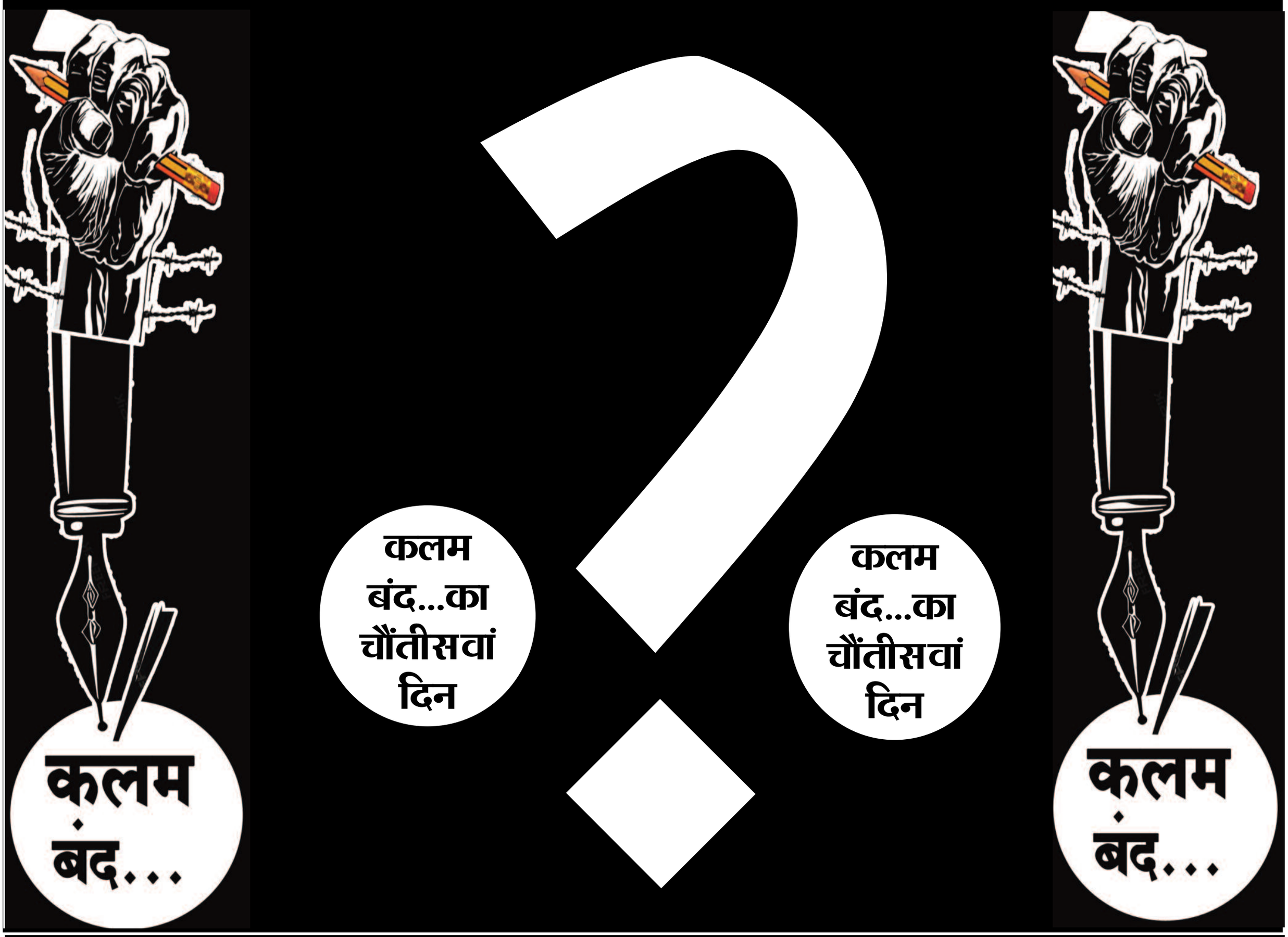

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

शूटर यूसुफ डिकेच ने जीता ओलिंपिक मेडल

» पेरिस ओलिंपिक में यूसुफ डिकेच ने जीता सिल्वर मेडल...

» बिना किसी गियर पहने ही डिकेच लगाते हैं निशाने...

» सोशल मीडिया सेंसेशन बने 51 साल के डिकेच...

पेरिस,02 अगस्त 2024। पेरिस ओलिंपिक में 10 मीटर मिक्स्ड टीम इवेंट में भारत की मनु भाकर और सरबजोत सिंह ने ब्रॉन्ज मेडल जीता था। इसी इवेंट में तुर्किए को सिल्वर मेडल मिला। यूसुफ डिकेच और शेवक्वल इलैदा तरहान की जोड़ी ने देश के लिए यह मेडल जीता। अपने इवेंट खत्म होने के दो दिन बाद यूसुफ डिकेच सोशल मीडिया पर वायरल हो गए। उनका शूटिंग का अंदाज हर किसी का ध्यान खींच रहा है।

क्यों वायरल हो रहे डिकेच?

तुर्किए के यूसुफ डिकेच 51 साल के शूटर हैं। उनकी एक तस्वीर सोशल मीडिया पर कई मीम का सबब बन चुकी है, जिसमें वह ओलिंपिक में सिर्फ एक आम-सा चश्मा पहनकर निशाना लगाते दिख रहे हैं। यह तस्वीर वायरल इसलिए हो रही है कि जहां एक ओर ओलिंपिक में हिस्सा लेने वाले बाकी शूटर्स एक-एक पॉइंट हासिल करने के लिए स्पेशल चश्मे और नॉइज कैंसल करने वाले स्पेशल हेडफोन लगाते हैं।

यूसुफ डिकेच केवल एक चश्मे और इयर प्लग के साथ एक हाथ जेब में डालकर सिल्वर पर निशाना लगाने में सफल रहे। डिकेच इसी साल ओलिंपिक में अपना पहला

मेडल जीतने में सफल हुए। इस उम्रदराज शूटर का यह केयर-फ्री अप्रोच खेलप्रेमियों को खूब भा रहा है।

कौन हैं यूसुफ डिकेच?

तुर्किए के गोकसन शहर में जन्मे यूसुफ डिकेच सेना में रह चुके हैं। ओलिंपिक में डिकेच पहले बार नहीं दिखे हैं। वह 2008 से हर ओलिंपिक में हिस्सा ले चुके हैं। हालांकि पहली बार उन्होंने मेडल पर निशाना लगाया है। उन्होंने 2001 में स्पोर्ट्स शूटिंग की शुरुआत की थी। वह पिस्टल इवेंट की कई कैटेगरी में नेशनल चैंपियन रह चुके हैं। 2006 में नॉर्वे में हुए मिलिट्री वर्ल्ड चैंपियनशिप के 25 मीटर सेंटर फायर पिस्टल इवेंट में डिकेच ने वर्ल्ड रिकॉर्ड स्थापित किया था।

ओलिंपिक मेडल जीतने के बाद स्वप्निल कुसाले ने बताया अगला टारगेट

पेरिस,02 अगस्त 2024। पेरिस ओलिंपिक 2024 के 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन में भारत के स्टार शूटर स्वप्निल कुसाले ने ब्रॉन्ज मेडल जीता। 451.4 का स्कोर करते हुए वह फाइनल में तीसरे स्थान पर रहे। मेडल जीतने के बाद स्वप्निल ने अपना अगला लक्ष्य भी बताया।

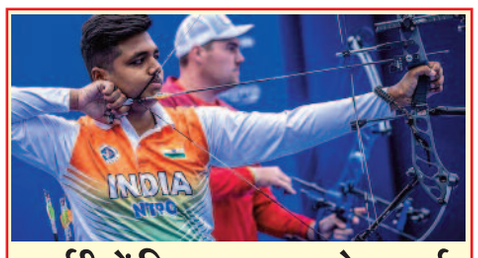

आर्चरी में मिक्सड डबल्स के क्वार्टर फाइनल में पहुंची भारतीय टीम

पेरिस,02 अगस्त 2024। पेरिस ओलंपिक 2024 में 7वें दिन भारतीय एथलीट्स कई इवेंट्स में हिस्सा लेते हुए नजर आएंगे, जिसमें अब तक 2 मेडल जीत चुकीं मनु भाकर शूटिंग में महिला 25 मीटर पिस्टल इवेंट के क्वालिफिकेशन राउंड में हिस्सा लेंगी। इसमें उनके अलावा ईशा सिंह भी एक्शन में नजर आएंगी। वहीं बैडमिंटन में पुरुष सिंगल के क्वार्टर फाइनल मैच में लक्ष्य सेन का सामना चीनी ताईपेई खिलाड़ी से होगा। एथलेटिक्स में महिला 5000 मीटर की रेस में भारत से अंकिता और पारुल चौधरी हिस्सा लेंगी। इसके अलावा भारतीय हॉकी टीम क्वार्टर फाइनल से पहले अपने आखिरी ग्रुप मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया की टीम का सामना करेगी।

मोहम्मद सिराज को मिला खास तोहफा

नई दिल्ली,02 अगस्त 2024। भारतीय टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज का पिछले 2 सालों में काफी शानदार प्रदर्शन गेंद से देखने को मिला है, जिसमें वह तीनों ही फॉर्मेट में टीम इंडिया के प्रमुख गेंदबाजों की लिस्ट में शामिल हैं। जून महीने में जब रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय टीम ने वेस्टइंडीज और अमेरिका की संयुक्त मेजबानी में खेले गए टी 20 वर्ल्ड कप की ट्रॉफी को जीता था तो उसमें सिराज की भी भूमिका काफी अहम रही थी। सिराज को इस टूर्नामेंट में जब भारतीय टीम ने अपने शुरुआती ग्रुप मैचों में खेले थे। वहीं अब तेलंगाना सरकार की तरफ से सिराज को एक खास तोहफा मिला है जिसमें उन्हें राज्य सरकार की तरफ से नौकरी दिए जाने के साथ मकान बनाने के लिए जमीन भी दी जाएगी।

तेलंगाना सरकार से ग्रूप-1 की मिलेगी नौकरी

मोहम्मद सिराज को तेलंगाना सरकार की तरफ से ग्रूप-1 की नौकरी मिलेगी इसके अलावा उन्हें बंजारा हिल्स या जुबली हिल्स जैसे पॉश इलाके में घर बनाने के लिए 600 गज जमीन भी दी जाएगी। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने बताया कि सिराज और भारतीय महिला स्टार बॉक्सिंग खिलाड़ी निखत जरीन को नौकरी देने के लिए आज राज्य सरकार की तरफ से विधानसभा में बिल पास किया गया है। बता दें कि सिराज के अलावा निखत को भी सरकार की तरफ से नौकरी दी जाएगी। बॉक्सिंग में निखत भारत की तरफ से उभरती हुई खिलाड़ी हैं लेकिन वह पेरिस ओलंपिक में पदक जीतने से जरूर चूंक गई, जिसमें प्री-क्वार्टर फाइनल मैच में उन्हें हार का सामना करना पड़ा।

सिराज अभी टीम इंडिया के साथ श्रीलंका दौरे पर

भारतीय टीम अभी श्रीलंका के दौरे पर है जहां पर तीन मैचों की टी20 सीरीज खत्म होने के बाद अब टीम इंडिया मेजबान टीम के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज भी खेल रही है, जिसमें मोहम्मद सिराज भी टीम का हिस्सा हैं। सिराज का वनडे में श्रीलंका के खिलाफ गेंद से काफी शानदार रिकॉर्ड देखने को मिला है, जिसमें उन्होंने 6 मैचों में 19 विकेट हासिल किए हैं।

मर्द बॉक्सर ने तोड़ी महिला एथलीट की नाक!

» पेरिस ओलंपिक्स में खुलेआम बेईमानी... 46 सेकंड में छोड़ी फाइट

पेरिस,02 अगस्त 2024। पेरिस ओलंपिक्स 2024 से एक अजीबोगरीब घटना सामने आई है। अल्जीरिया की बॉक्सर, इमान खलीफ जो खुद को एक महिला बताती हैं, वो अब अपने जेंडर को लेकर फिर से विवादों में घिर गई हैं। खलीफ को 2024 के ओलंपिक खेलों में भाग लेने की अनुमति अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक परिषद ने दी थी। मगर जब राउंड ऑफ 16 में उनका सामना इटली की एंजेला कैरिनी से हुआ तब एंजेला ने मुकाबले से नाम वापस लेना ही ठीक समझा।

दरअसल अल्जीरियाई बॉक्सर इमान खलीफ और एंजेला कैरिनी महिलाओं की 66 किलोग्राम भारवर्ग फाइट में आमने-सामने आई। राउंड ऑफ 16 की यह फाइट महज 46 सेकेंड तक चल सकी। इस दौरान इटली की फाइटर को 2 बार अपने कॉर्नर पर जाते भी देखा गया। पहली बार उन्होंने एक पंच का प्रभाव झेलने के बाद कॉर्नर पर जाकर अपना हेड गीयर ठीक करवाया,वहीं दूसरी बार पंच का प्रभाव झेलने के बाद उन्होंने फाइट से अपना नाम वापस ले लिया था। यहां तक कि एलन मस्क ने भी इस पर हैरतंगेज़ प्रतिक्रिया देते हुए इशारा किया है कि ऐसे एथलीटों को खेलने का मौका तक नहीं दिया जाना चाहिए।

रोने लगीं एंजेला कैरिनी

एंजेला कैरिनी ने अपनी स्थिति बयां करते हुए बताया, मैं फाइट करने के लिए रिंग में गई, मैंने हार नहीं मानी लेकिन एक पंच लगने के बाद मुझे बहुत दर्द होने लगा था। इसलिए मैंने कहा,बस अब और नहीं... मैं बिना शर्मसार हुए इस टूर्नामेंट से बाहर होना चाहती हूं। नाक पर लगे पंच के बाद मैं फाइट को फिनिश नहीं करना चाहती थी। खलीफ 66 किलोग्राम स्पर्धा के अगले राउंड के लिए क्वालीफाई कर गई हैं, लेकिन उनकी यह जीत बहुत बड़े विवाद का कारण बन गई है। अब क्वार्टरफाइनल में उनका सामना हंगरी की लुका हमोरी से होगा।

डीएनए टेस्ट में मर्द घोषित किया गया था

पिछले साल अंतर्राष्ट्रीय बॉक्सिंग एसोसिएशन द्वारा की गई जेंडर जांच में इमान खलीफ फेल हो गई थीं। इसी कारण उन्हें वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप से डिसक्वालीफाई कर दिया गया था। आईबीए के अध्यक्ष उमर क्रेमलेव ने उस समय बताया था कि कई एथलीट खुद को महिला एथलीट बताकर खेलों में भाग लेने का प्रयास कर रहे हैं। मगर जांच में पाया गया कि उनके डीएनए में एक्स वाई क्रोमोसोम हैं। ऐसे एथलीटों को पिछले साल वर्ल्ड चैंपियनशिप से बाहर कर दिया गया था,लेकिन अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक परिषद ने इसके बावजूद इमान खलीफ को फाइट करने की अनुमति दे दी थी।

पेरिस में हार के बाद पीवी सिंधु ने लिया संन्यास

पेरिस,02 अगस्त 2024। पीवी सिंधु के लिए पेरिस ओलंपिक किसी बुरे सपने से कम नहीं रहा। भारतीय स्टार शटलर को बैडमिंटन के वुमेंस सिंगल के प्री क्वार्टर फाइनल यानी राउंड 16 से बाहर होना पड़ा। राउंड 16 में सिंधु को चीन की बिंग जियाओ के खिलाफ हार झेलनी पड़ी थी। हार के बाद सिंधु ने अपने संन्यास को लेकर बड़ा अपडेट दिया। उन्होंने 2028 में खेले जाने वाले ओलंपिक को लेकर बात की। बता दें कि राउंड 16 में पीवी सिंधु को चीन की बिंग जियाओ के खिलाफ 21-19, 21-14 से हार झेलनी पड़ी थी। इस हार के साथ सिंधु का लगातार तीसरे ओलंपिक में मेडल जीतने का सपना चूर हो गया। हार के साथ सिंधु का अभियान खत्म हो गया. हार के बाद सिंधु से 2028 के लॉस एंजिल्स के ओलंपिक के बारे में पूछा गया।

सिंधु ने जवाब देते हुए कहा, अभी अगले ओलंपिक में चार हैं। मैं वापस जाकर थोड़ा आराम करूंगी। ब्रेक लेने के बाद देखूंगी कि क्या है। चार साल बहुत लंबा वक्त है। फिलहाल वापस जाने का वक्त है। मैं वो नतीजा नहीं दे पाई, जिसकी मुझे उम्मीद थी। यह दुखद है, लेकिन यह एक सफर है।

इसके अलावा भारतीय स्टार ने मुकाबले को लेकर बात की। उन्होंने बताया कि कैसे वह खुद पर काबू नहीं रख सकीं। भारतीय शटलर ने कहा, मुझे लगता है कि मुझे अपनी गलतियों पर काबू रखना चाहिए। खासकर दूसरे मैच में। यह दुखद है कि मैं इसे जीत में नहीं बदल पाई. पहले मैच में स्कोर एक वक्त पर 19-19 था. मैं हर प्वाइंट के लिए लड़ती रहीं। हम दोनों ही लड़ रहे थे। आप आसान खेल या आसान अंक की उम्मीद नहीं कर सकते। मुझे डिफेंसिव छोर पर गलतियों पर काबू रखना चाहिए।

ओलंपिक में मेडल जीतने की खुशी में मनाया ऐसा जश्न,उखड़ गया कंधा

पेरिस,02 अगस्त 2024। पेरिस में चल रहे ओलंपिक 2024 में अलग-अलग देशों के तमाम एथलीट्स हिस्सा ले रहे हैं। यहां 117 एथलीट्स का भारतीय दल भी पहुंचा हैं। भारत के खाते में तीन मेडल आ चुके हैं, वैसे ही बाकी देशों के खिलाड़ी भी मेडल जीतकर खुश हो रहे हैं। ऐसे ही माल्डोवा के जूडो खिलाड़ी आदिल ओस्मानोवा ने ब्रॉन्ज मेडल जीता। जीत के बाद उन्होंने ऐसा जश्न मनाया कि उनका कंधा ही उखड़ गया। ओस्मानोवा का जश्न मनाना उन्हें भारी पड़ गया।

आदिल ने 73 किलोग्राम कैटेगिरी में इटली के मैनुअल लोम्बार्डो को हराकर ब्रॉन्ज मेडल पर कब्ज़ा किया था। मेडल जीतने के बाद माल्डोवा के खिलाड़ी बहुत ही उत्साहित दिखाई दिए। मेडल अपने नाम करने के बाद आदिल पहले खुशी से उछले और अपने घुटनों पर बैठ गए। फिर उन्होंने हवा में ज़ोर से हाथ मारा, जिससे उनका कंधा डिस्लोकेट हो गया। कंधा डिस्लोकेट होने के बाद आदिल काफी दर्द में दिखाई दिए।फिर उन्होंने अपना कंधा पकड़ा और बाकी खिलाड़ियों के साथ पोडियम पर गए. मीडिया रिपोर्ट्स की माने तो आदिल को ओलंपिक से पहले कंधे की सर्जरी करवाने की सलाह दी गई थी। इतना नहीं नहीं, मैच से पहले वह बीमारी से भी जूझ रहे थे। मैच के बाद आदिल ने कहा, यह बहुत मुश्किल था. वॉर्म के दौरान मुझे खराब लगा। हालांकि मेरे साथ पहले भी ऐसा हो चुका है और तब भी मुझे मेडल मिला था। मेरे पास मैच से पीछे हटने का कोई ऑप्शन नहीं थी।

दिवंगत पिता को समर्पित किया मेडल

आदिल ओस्मानोवा ने अपना मेडल अपने दिवंगत पिता को समर्पित करते हुए कहा, उन्होंने खुद ओलंपिक में पहुंचने का ख्वाब देखा था। पैसों की कमी के चलते वह नहीं पहुंच सके। इसके बाद उनका ख्वाब था कि उनका एक बच्चा ओलंपिक में पहुंचेगा और मेडल जीतेगा। आज उनका वह सपना पूरा हो गया।

अक्षय कुमार को फ्लॉप फिल्मों पर आने लगे सांत्वना भरे मैसेज

तो अक्षय कुमार बोले-मरा नहीं हूं अभी जिंदा हूं मैं

अक्षय कुमार एक ऐसे स्टार हैं, जो अपनी फिल्मों के फ्लॉप होने पर भी हार नहीं मानते, बल्कि दोगुने हौसले के साथ आगे बढ़ने की कोशिश करते रहते हैं। 33 साल से फिल्म इंडस्ट्री का हिस्सा रहे अक्षय ने अपने करियर में कई हिट फिल्में दीं, तो कुछ फ्लॉप भी रही हैं। पर हार के बावजूद वह कभी टूटे नहीं और शायद इसीलिए वह आज भी फिल्म इंडस्ट्री में टिके हैं। लेकिन पिछले दो साल से अक्षय की एक भी फिल्म हिट नहीं हुई है। हर साल उनकी चार-पांच फिल्में रिलीज होती हैं और वो लगातार फ्लॉप रही हैं। जहां अक्षय फ्लॉप फिल्मों के बाद अपनी स्ट्रैटिजी पर दोबारा काम करते हुए आगे बढ़ने की कोशिश कर रहे हैं, वहीं वह तब हैरान रह गए जब उन्हें सांत्वना भरे मैसेज आने लगे। अक्षय कुमार की फिल्म सरफिरा हाल ही थिएटर्स में रिलीज हुई, पर बुरी तरह पिट गई। अब वह फिल्म %खेल खेल में% लेकर आए हैं, जो 15 अगस्त को रिलीज हो रही है। हाल ही इस फिल्म के ट्रेलर लॉन्च पर लगातार फ्लॉप फिल्में देने पर रिएक्ट किया और बताया कि लोग उन्हें कैसे-कैसे मैसेज भेजने लगे थे। अक्षय ने कहा, मैं ज्यादा सोचता नहीं। मैं आपको बताऊं कि पांच पिक्चरें नहीं चलीं तो ऐसे ऐसे मैसेज आते हैं कि यार डोंट वरी सब ठीक हो जाएगा। ये सब क्या है? मैं मरा नहीं हूं। सांत्वना वाले मैसेज आते हैं। एक जर्नलिस्ट ने लिख भी दिया कि यू विल बी बैक। मैंने उसको फोन करके बोला कि भाई तू ये क्यों लिख रहा है? बैक मतलब? मैं गया कहां हूं? इधर ही हूं। काम करता रहूंगा। हमेशा काम करता रहूंगा, चाहे लोग कुछ भी बोलें। सुबह उठना है, कसरत करनी है, काम पे जाना है, वापस आना है। जो भी कमाता हूं, अपने दम पर कमाता हूं। किसी से कुछ मांगा नहीं है।

मरते दम तक काम करता रहूंगा

अक्षय ने आगे कहा, मैं मरते दम तक काम करता रहूंगा। तब तक काम करता रहूंगा जब तक कि वो मुझे शूट करके गिरा नहीं देते। बस मुझे इतना ही कहना है।

खेल खेल में फिल्म की कास्ट

खेल खेल में फिल्म में अक्षय के अलावा फरदीन खान, तापसी पन्नू, वाणी कपूर, एमी विर्क, प्रज्ञा जायसवाल और आदित्य सील नजर आएंगे। इसे मुदस्सर अजीज ने डायरेक्ट किया है। अब देखना यह होगा कि अक्षय की यह फिल्म कैसा परफॉर्म करेगी।

बॉयफ्रेंड को रंगे हाथ पकड़ा, बोलीं-उसने बहुत गलत किया

महिमा चौधरी ने बॉलीवुड में अपनी शुरुआत सुभाष घई की फिल्म परदेस से की और एक बड़ा फैनबेस बना लिया। उन्होंने अपनी एक्टिंग से दर्शकों को इंप्रेस किया और पूर्व भारतीय टेनिस खिलाड़ी लिएंडर पेस के साथ अपने रिश्ते के कारण भी सुर्खियां बटोरीं। उन्होंने लगभग 3 वर्षों तक एक-दूसरे को डेट किया और महिमा कथित तौर पर टेनिस खिलाड़ी के लिए हमेशा ही खड़ी रहीं। जब पेस अपना मैच खेल रहे होते थे तो वह हमेशा स्टेडियम में देखी जाती थीं। हालांकि, बाद में उनका ब्रेकअप हो गया और एक्ट्रेस ने इसका कारण मॉडल रिया पिल्लई के साथ उनके अफेयर को बताया।

मिस मालिनी के साथ एक इंटरव्यू में महिमा ने अपने पुराने रिश्ते के बारे में और बात की। उन्होंने कहा, वह एक अच्छा टेनिस खिलाड़ी हो सकता है, लेकिन उसने मेरे साथ अच्छा व्यवहार नहीं किया। जब मुझे पता चला कि वह किसी और के साथ घूम रहा है तो यह मेरे लिए चौंकाने वाली बात नहीं थी। उसके जाने से मेरी जिंदगी पर कोई असर नहीं पड़ा। मैं और अधिक मजबूत हो गई। महिमा को लगा कि पेस ने रिया पिल्लई के साथ भी ऐसा ही किया है। पेस को रिया के खिलाफ घरेलू हिंसा का दोषी पाया गया था।

महिमा चौधरी को मशहूर खिलाड़ी ने प्यार में दिया था धोखा

महिमा चौधरी और लिएंडर पेस

अदालत ने पूर्व टेनिस खिलाड़ी की गर्लफ्रेंड को निर्देश दिया कि यदि वह अपना घर छोड़ती हैं तो उन्हें रिया को 1 लाख रुपये के मासिक रखरखाव के अलावा 50,000 रुपये का मासिक किराया भी देना होगा। महिमा ने 2006 में आर्किटेक्ट बिजनेसमैन बॉबी मुखर्जी के साथ शादी की। हालांकि, बाद में 2011 में, यह बताया गया कि कई आपसी मुद्दों के कारण दोनों अलग रह रहे थे। शादी से उनकी एक 8 साल की बेटी एरियाना है।

इमरजेंसी में महिमा चौधरी

वर्कफ्रंट पर, महिमा अगली बार कंगना रनौत की फिल्म इमरजेंसी में पुपुर जयकर का रोल करेंगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, सांस्कृतिक कार्यकर्ता और राइटर पुपुल जयकर की नेहरू परिवार से गहरी दोस्ती थी। यह फिल्म 6 सितंबर, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। कंगना के अलावा, इमरजेंसी में अनुपम खेर, मिलिंद सोमन, विशाख नायर, श्रेयस तलपड़े और कई कलाकारों की टोली है। यह फिल्म 1975 से 1977 के बीच भारत में आपातकाल के दौर पर आधारित है, जिसकी घोषणा प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने की थी।

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ0ग0)

ईश्तहार

रा0प्र0क्र0 /अ-6/2023-24

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका पूनम सोनी पत्नी राजू सोनी,आयु 40 वर्ष, निवासी-सतीपारा,अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) ने इस आशय का आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है कि आवेदिका द्वारा अनावेदक-गनपत दास आ0 स्व0 बुद्धराम, आयु-47 वर्ष, निवासी-ग्राम कुनकुरीकला,तह0 बतौली,जिला सरगुजा के स्वामित्व व अधिपत्य की शीट नं0-02, मोहल्ला सतीपारा, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भू-खण्ड क्रमांक 747/1 रकबा 0.02 एकड़ भूमि को पंजीबद्ध विक्रय विलेख पंजीयन दिनांक 03.05.2024 के माध्यम से क्रय किया गया है। अतः पंजीबद्ध विक्रय विलेख पंजीयन दिनांक 03.05.2024 के आधार पर क्रय की गई भूमि के अभिलेख में अपना नाम दर्ज कराने हेतु आवेदिका द्वारा आवेदन पत्र, अंतर्गत धारा 109,110 छ0ग0 भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त भू-खण्ड के संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 12/08/2024 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 08/07/2024 को मेरे न्यायालीन मुद्रा एवं हस्ताक्षर से जारी किया गया।

सील

नजूल अधिकारी(रा.)
अम्बिकापुर

खुला पत्र

लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में अपनी सजग भागीदारी निभा रहे सरगुजा अंचल से प्रकाशित दैनिक घटती-घटना समाचार-पत्र के विरुद्ध छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार और स्वास्थ्य मंत्री के द्वारा जो दमनात्मक रवैया उसकी अभिव्यक्ति स्वतंत्र और निष्पक्ष आवाज को दबाने के अपनाया गया है उसकी निन्दा करने वाले सभी लोगों के प्रति सादर कृतज्ञता। आप सभी ने लोकतंत्र के चौथे स्तंभ की स्वतंत्रता उसकी निस्पक्षता साथ ही उसकी अभिव्यक्ति को न दबने देने का संकल्प लिया हुआ है जो साबित करता है...आप सभी के प्रति दैनिक घटती-घटना समूह की तरफ से धन्यवाद भी ज्ञापित करता है।

Prakash Tripathi is with **Ajeet Lakra** and **4 others**.
8 m ·

सत्ता में बैठे नेताओं और अधिकारियों की कारगुजारियां के विरुद्ध कोई खबर चलवानी हो MCB कोरिया के आम लोगों के दिल दिमाग पर जो नाम आता है वो घटती घटना के **Ravi Singh** हैं।

ये काम वो कांग्रेस के राज में भी करते रहें हैं भाजपा सरकार में भी वही कर रहे हैं।

तस्वीर नंबर 1

पहले प्रदेश की साय सरकार ने पूर्ववर्ती सरकार द्वारा भूस्वामियों के भूमि पर दिए गए हक को निरस्त किया।

तस्वीर नंबर 2

घटती घटना के अंबिकापुर स्थित कार्यालय को ढहा दिया गया।

मतलब बहुत साफ है।

जो साय सरकार के विरुद्ध बोलेगा उसे छत्तीसगढ़ में बेघर होना पड़ेगा।

कमल शुक्ला

Abhay Narayan Pandey
2d ·

अविष्मरणीय मेमोरी में save कर लो!!यही "ताबूत की पहली और आखिरी कील" साबित होगी ***

सुधीर तम्बोली आज़ाद is with **Avinash Singh** and **46 others**.
3d ·

छत्तीसगढ़ में रविवार की सुबह बुलडोजर कार्रवाई हुई।
संवारने की बात कहने वाली सरकार उजाड़ने में उतर गई।
President of India Governor Chhattisgarh Narendra Modi PMO India Bjp Chhattisgarh Indian National Congress - Chhattisgarh Bharatiya Janata Party (BJP) Indian National Congress Rahul Gandhi

रक्षेन्द्र प्रताप सिंह सिकरवार
3d ·

इसे तो गुंडई ही कहेंगे...!!!

Er Prashant Kumar Pandey is with **Avinash Singh**.
2d ·

जिस व्यक्ति **Avinash Singh** को कभी परेशान नहीं देखा उन निडर निर्भीक संपादक को अपने पिता के मृत्यु सैया के सामने रोते देख असहनीय दर्द की अनुभूति को महसूस किया, क्योंकि कुछ साल पहले अपने छोटे से बेटे को भी इसी प्रकार मैने भी देखा है। जिसे अवैध कब्जा बोला गया वो अगर अवैध था तो इतने सालों से वह कैसे टीका हुआ था यह समझ से परे हैं। पत्रकार हैं साहब हमारा काम खबर लिखना होता है। सच लिखेंगे तो क्या मार डालोगे। कम से कम उस समय तो छोड़ देते जिस समय लोहा की तरह खड़ा रहने वाला व्यक्ति अपने पिताश्री की मृत्यु से व्यथित था। **#Avinash_singh** भइया आप बस धैर्य रखिए **#बाबाश्यामजी** आपको दुखी नहीं देख सकते हैं।

Rahul Shukla is with **Raja Pathak** and **22 others**.
3d ·

आज भाजपा सरकार के लिए भी एक काला दिन है। दैनिक अखबार **दैनिक घटती घटना** के कार्यालय पर बुलडोजर चला कर आपने अपनी तुच्छ मानसिकता दिखाई है। खैर अब और मजबूती से लड़ेंगे , और जीतेंगे भी। इस विकट परिस्थिति में सभी पत्रकार एकजुट हैं। **Avinash Singh Aditya Gupta पत्रकार एकता जिंदाबाद**

आशीष कुमार सोनी is with **Avinash Singh** and **7 others**.
4d ·

प्रदेश की **#सनातनी #सरकार #रामराज्य** स्थापित करने की घोषणा करने वाली सरकार ,एक तरफ पित्रशोक में शोकमग्न पुत्र दूसरी तरफ भोर में ही उसका आशियाना उजाडने पूरा सरगुजा जिला प्रशासन।
कारण भ्रस्टाचार के विरुद्ध समाचार प्रकाशन।
घोर निंदनीय घृणित कार्य शासन सरकार का।
#vishnudevshay
#RahulGandhi

Shatrudhan Singh
2d ·

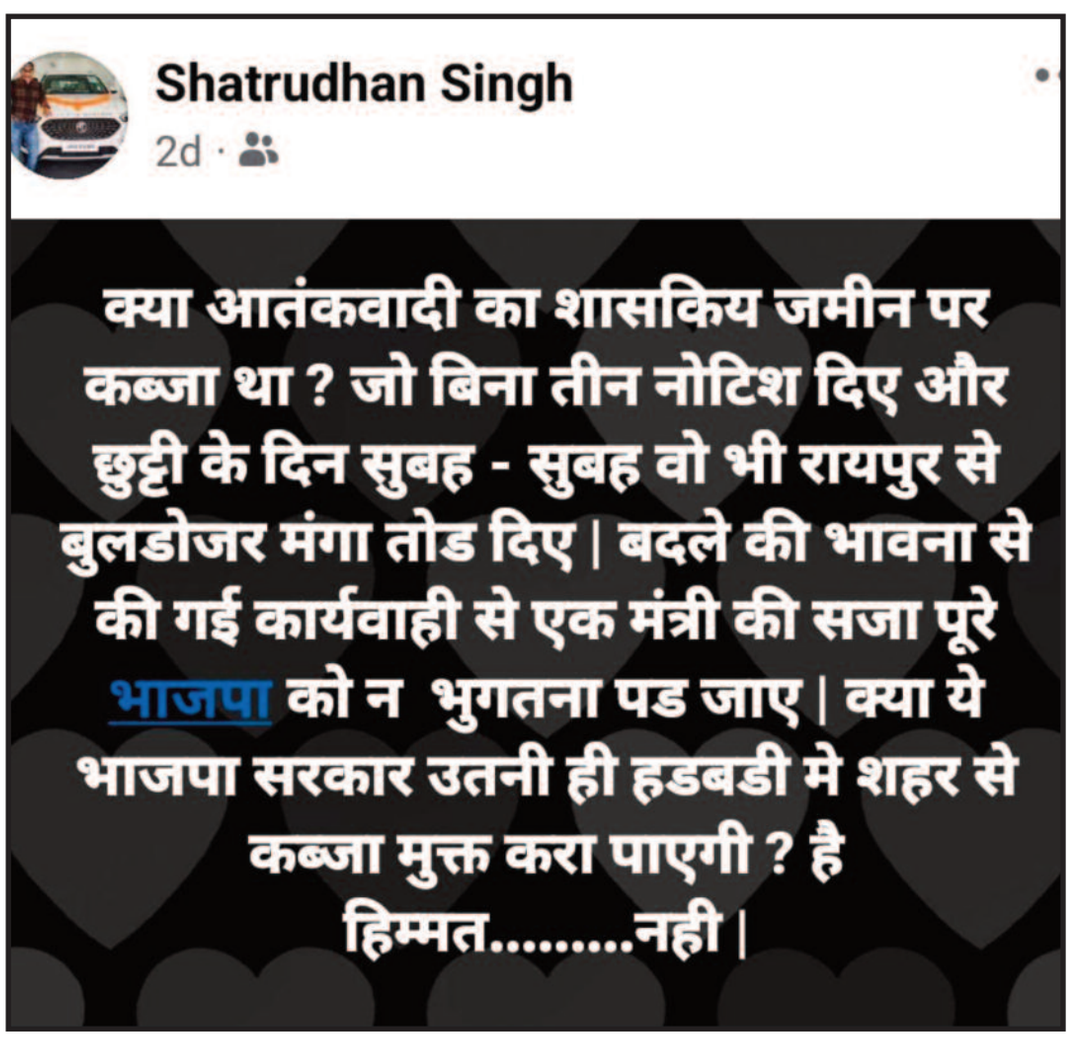

सरगुजा सोशल
Tarun Babu · 2d · Dinesh Chauhan ·
Admin

जवाब तगड़े से दिया जाएगा..... सब्र कीजिए — with **Avinash Singh** and **2 others**.

अब तक भारत - सच की तह तक
2d ·

खतरनाक बुलडोजर

Description
सच क्यों लिखा.... डबल इंजन सरकार में बेकाबू हुआ बुलडोजर

Jitendra Kumar Jaiswal is with **Avinash Singh** and **51 others**.
AI info · 4d ·

Vishnu Deo Sai के गैर मौजूदगी में प्रशासन का कहर **दैनिक घटती घटना** के परिसर में...
Surguja District द्वारा
#पत्रकारों #पर #हमला

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह*(पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)